B.A -(II)

B.A. Part-I Fundamental Psychology

Q प्रश्न क्लासीकल कन्डीशनिंग सिद्धांत क्या है? पावलव के प्रयोग द्वारा इसे स्पष्ट करें।

Ans सीखने सिखने के अनुबंधन सिद्धांत मनोविज्ञान में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। अनुबंधन को एक ऐसे साहचर्यात्मक अथवा अधिगम प्रक्रिया के रूप में परिभाषित किया जाता है जिसमें नवीन प्रकार के उद्दीपक-अनुक्रिया साहचर्यों का निर्माण करना सीखा जाता है। इससे स्पष्ट होता है कि अनुबंधन वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा अनुबंधित प्रक्रियाओं को सिखाया जाता है।

इस प्रकार अनुबंधन एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें एक उद्दीपक तथा एक नवीन प्रकार की प्रक्रिया के मध्य एक नवीन प्रकार के संबंध का अधिगम किया जाता है। यहाँ पर नवीन प्रकार की प्रतिक्रिया का अर्थ यह है कि अनुबंधन से पहले यह प्रक्रिया अनुबंधन से संबंधित उद्दीपक से संबंधित नहीं थी। यदि एक रोते हुए बच्चे को माँ एक आवाज देकर गोद में ले लेती है तथा बच्चा चुप हो जाता है। जब इस प्रक्रिया को बार-बार दोहराया जाता है तो रोता हुआ बच्चा चुप हो जाता है। तो माँ की आवाज एवं बच्चे की चुप होने की प्रक्रिया के मध्य नवीन संबंध को अनुबंधन कहा जायेगा।

Scanned by TapScanner

पॅवलाव का प्रयोग :- पॅवलाव ने अपना प्रयोग कुत्ते पर किया। वह यह जानना चाहता था कि भोजन के अतिरिक्त क्या कुत्ता किसी अन्य तटस्थ या अस्वाभाविक अनुबंधित उद्दीपक के प्रति भी लार स्राव करता है। उसने कुत्ते की लार ग्रंथि का ऑपरेशन करके उसे एक नली से इस प्रकार जोड़ दिया कि संपूर्ण लार एक परखनली में एकत्रित हो जाते जायें। कुत्ते को प्रयोगशाला से अवगत कराया गया। इसके बाद उसे एक उपकरण से बाँध दिया गया कि वह हिल न सके। कुत्ता पहले से ही भूखा था। भोजन देने से पहले घण्टी की ध्वनि की गई। घण्टी की ध्वनि सुनकर कुत्ते ने कान खड़े किए एवं चौकन्ना हो गया। भोजन प्राप्त होने पर उसने लार स्राव किया।

Dr. Randhir Kumar
Dept of Psychology
U.R.C. Rosera Samastipur
9570435959